50 Years of NIMHANS

The National Institute of Mental Health and Neuro Sciences (NIMHANS), Bengaluru, is a globally renowned institution in the fields of mental health and neurosciences. NIMHANS traces its origins to the Bangalore Lunatic Asylum, established in 1847. Over time, the asylum evolved and was renamed the Mysore State Mental Hospital in 1925, reflecting a shift in the management of mental illnesses in India. In the early 20th century, this hospital, along with the Ranchi-based institution, was one of only two purpose-built asylums in British India, designed to offer a healing environment with modern attributes.

A key turning point in NIMHANS' development came in 1954 when the Government of India sanctioned the establishment of the All India Institute of Mental Health (AIIMH), based on recommendations from the Mental Health Advisory Committee and the Bhore Committee. The merger of the Mental Hospital and AIIMH in 1974 led to the creation of NIMHANS, integrating mental health and neurosciences under one roof. The Institute has since surpassed its initial role as a tertiary care centre, attracting patients from across India and neighbouring countries.

NIMHANS spans 135 acres and serves more than half a million patients annually. It offers state-of-the-art inpatient facilities and advanced rehabilitation services, with over 20 specialized clinics tailored to various conditions. The 1000-bed NABH-accredited hospital provides a comprehensive range of diagnostic and laboratory services, round-the-clock emergency care, and neurosurgical units. The seven-floor Sub-Speciality Block, equipped with sophisticated operation theatres, addresses complex neurological and neurosurgical problems.

The Institute's research initiatives are extensive, spanning areas such as addiction, Alzheimer's disease, brain imaging, deep brain stimulation, head injury treatment, and pain management. Active collaborations with regional, national, and international agencies ensure NIMHANS remains at the forefront of medical research. The research extends across multiple disciplines, including molecular genetics, rehabilitation, youth mental health, and yoga, contributing significantly to advancements in mental health and neurosciences.

As a leading postgraduate training centre, NIMHANS offers over 90 specialized courses, including MCh, DM, MD, post-doctoral fellowships, MPhil, MSc, and diploma programs. These attract students from across India and abroad, making NIMHANS a global hub for education in mental health. Beyond education, the Institute works closely with healthcare practitioners and policymakers to improve patient outcomes and enhance the broader healthcare system.

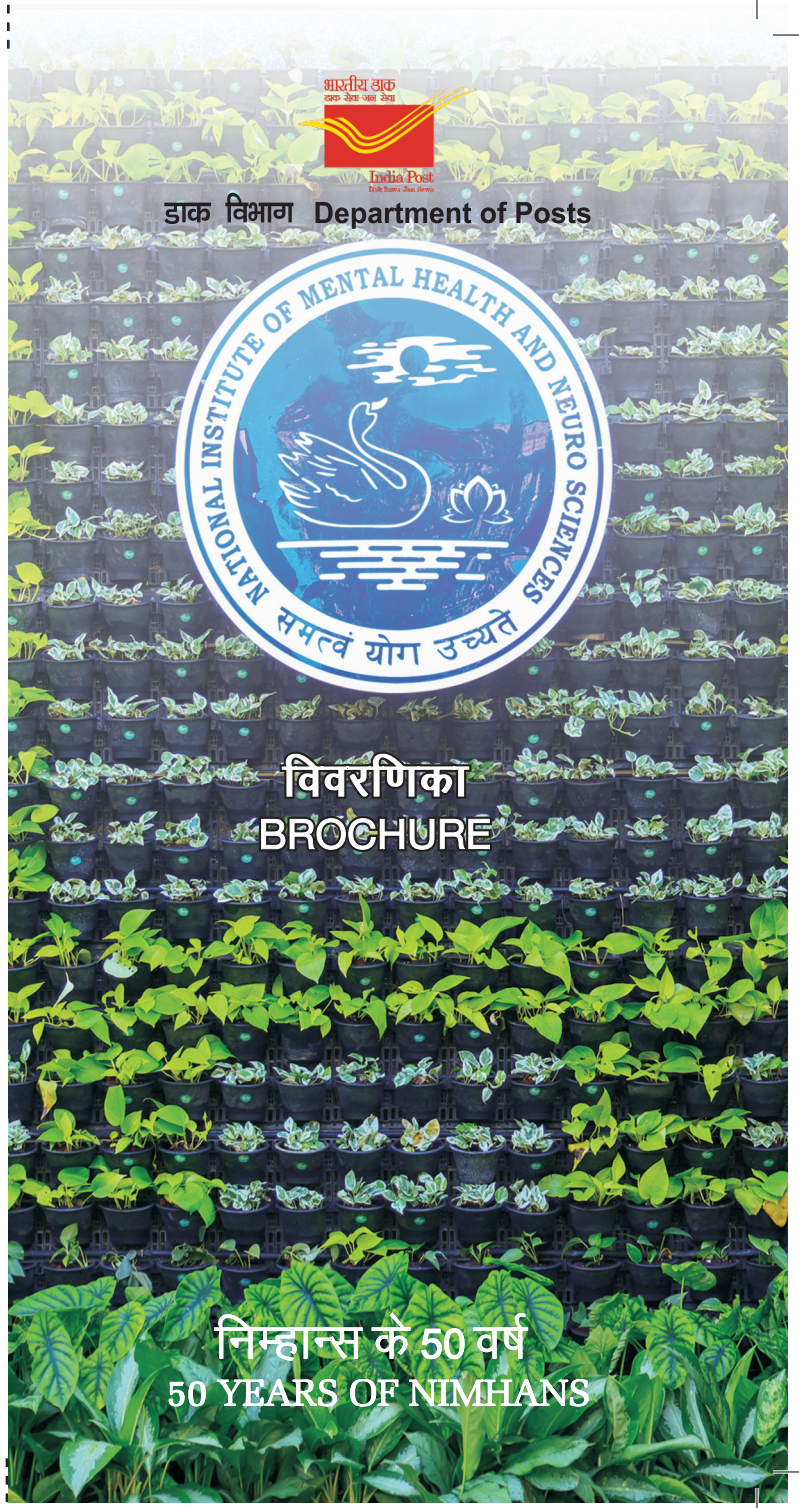
NIMHANS has also played a crucial role in shaping national mental health policy, contributing to the formulation of the National Mental Health Policy and advocating for rights-based mental health care. The Bellary model of care, developed by NIMHANS, was adopted as the basis for India's District Mental Health Programme. As the nodal centre for the Tele MANAS program, NIMHANS is at the forefront of innovative mental health service delivery, expanding access to care across the country.

The Institute's remarkable growth has earned it the status of 'Deemed University' in 1994 and 'Institute of National Importance' in 2012. It was the first Institute of National Importance in India to receive accreditation from the National Accreditation Board for Hospitals and Healthcare Providers (NABH), setting a benchmark for quality healthcare. NIMHANS consistently ranks among the top healthcare institutions in India, reflecting its commitment to excellence in patient care, research, and education.

The Department of Posts is proud to release a commemorative postage stamp on 50 Years of NIMHANS in honor of NIMHANS, Bengaluru, recognizing its transformative contributions to mental health care. This stamp celebrates NIMHANS' journey, its significant role in advancing research, and its dedication to providing excellence in patient care and training. Through this tribute, India Post aims to inspire greater awareness of NIMHANS' profound impact on the future of mental health care.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Mr. Suresh Kumar
Text	:	Referenced from content provided by the proponent



निम्हान्स के 50 वर्ष

बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका–विज्ञान संस्थान (निम्हान्स), मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में विश्व प्रतिष्ठित संस्थान है। इसकी स्थापना 1847 में बेंगलुरु ल्यूनैटिक असायलम के रुप में की गई थी। समय के साथ, इस संस्थान का विस्तार हुआ और 1925 में इसका नाम बदलकर मैसूर स्टेट मेंटल हॉस्पिटल कर दिया गया। यह, भारत में मानसिक रोगों के प्रबंधन में बड़े बदलाव का परिचायक था। 20वीं सदी की शुरुआत में, निम्हान्स, ब्रिटिश भारत में रांची स्थित एक ऐसे ही अन्य संस्थान के अलावा एकमात्र ऐसा असायलम था जिसे आधुनिक सुविधाओं के साथ उपचारात्मक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया था।

निम्हान्स के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब 1954 में भारत सरकार ने 'मानसिक स्वास्थ्य सलाहकार समिति' और 'भोर समिति' की सिफारिशों के आधार पर ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हैल्थ (एआईआईएमएच) की स्थापना को संस्वीकृति प्रदान की। 1974 में मेंटल हॉस्पिटल और एआईआईएमएच का विलय कर निम्हान्स की स्थापना की गई, ताकि मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान, दोनों प्रकार की, सुविधाएं एक ही जगह से मुहैया कराई जा सकें। निम्हान्स तृतीयक देखभाल केंद्र (टेरिटीयरी केयर सेंटर) मात्र नहीं है, बल्कि देशभर के साथ–साथ पड़ोसी देशों से भी मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं।

135 एकड़ में स्थित निम्हान्स में प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक मरीज चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए आते हैं। इस संस्थान में अत्याधुनिक इन–पेशेंट सुविधाओं और उन्नत पुनर्वास सेवाओं के साथ–साथ विभिन्न मानसिक और तंत्रिका विज्ञान संबंधी रोगों के लिए 20 से अधिक विशेष क्लीनिक भी हैं। एनएबीएच (NABH) से मान्यता प्राप्त 1000 बेड वाला यह अस्पताल, विभिन्न नैदानिक (डायग्नोस्टिक) व प्रयोगशाला संबंधी सेवाएं, 24x7 आपातकालीन देखभाल और न्यूरोसर्जिकल इकाइयों जैसी सुविधाओं से युक्त है। अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटरों वाले सात मंजिला सब–स्पेशियलिटी ब्लॉक में जटिल न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोसर्जिकल समस्याओं का इलाज किया जाता है।

संस्थान के शोध कार्यक्रमों का दायरा अत्यंत विविध एवं व्यापक हैं। इनमें नशे से मुक्ति, अल्जाइमर, ब्रेन इमेजिंग, डीप ब्रेन स्टिमुलेशन, सिर की चोट का उपचार और दर्द प्रबंधन (पेन मैनेजमेंट) आदि शामिल हैं। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ इसका सक्रिय सहयोग यह सुनिश्चित करता है कि निम्हान्स, चिकित्सा शोध के क्षेत्र में अग्रणी बना रहे। निम्हान्स द्वारा अनेक क्षेत्रों में शोध कार्य किया जा रहा है। इनमें आणविक आनुवंशिकी, पुनर्वास, युवा मानसिक स्वास्थ्य और योग आदि जैसे विषय शामिल हैं, जोकि मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

एक अग्रणी स्नातकोत्तर प्रशिक्षण केंद्र के रुप में निम्हान्स, चयनित विषयों पर 90 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिनमें एमसीएच, डीएम, एमडी, पोस्ट–डॉक्टरल फैलोशिप, एमफिल और विभिन्न डिप्लोमा कार्यक्रम शामिल हैं। ये कोर्स देश–विदेश से अनेक विद्यार्थियों को आकर्षित करते हैं। इस प्रकार, निम्हान्स, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में एक वैश्विक हब है। विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित करने के साथ–साथ यह संस्थान स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे लोगों और नीति निर्माताओं के साथ भी मिलकर काम करता है, ताकि मरीजों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में व्यापक सुधार लाया जा सके।

निम्हान्स ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अधिकार–आधारित मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पर बल दिया है। निम्हान्स द्वारा विकसित 'बैलरी मॉडल ऑफ केयर' को भारत के 'जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम' के रूप में अपनाया गया है। निम्हान्स ने टेली मानस (Tele MANAS) कार्यक्रम के नोडल केंद्र के रूप में मानसिक स्वास्थ्य सेवा डिलिवरी के क्षेत्र में नवोन्मेषी पहल करते हुए देशभर में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चत की है।

इस संस्थान के उतरोत्तर विकास के फलस्वरूप 1994 में इसे 'डीम्ड विश्वविद्यालय' और 2012 में 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' का दर्जा प्रदान किया गया। निम्हान्स, राष्ट्रीय अस्पताल और स्वास्थ्यचर्या–प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय महत्व का पहला संस्थान है, जिसने चिकित्सा सेवा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने हेतु मानक स्थापित किए हैं। निम्हान्स का नाम देश के सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में शामिल है, जो रोगियों की देखभाल, शोध और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डाक विभाग, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में निम्हान्स, बेंगलुरु के परिवर्तनकारी योगदान को रेखांकित करते हुए, निम्हान्स के 50 वर्ष विषय पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए गर्व का अनुभव करता है। यह डाक–टिकट, शोध को बढ़ावा देने में निम्हान्स की भूमिका तथा रोगियों की देखभाल एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। भारतीय डाक का उद्देश्य, इस डाक–टिकट के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में निम्हान्स के व्यापक प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

आभार:

डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण कैशे : श्री सुरेश कुमार

पाठ : प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री से संदर्भित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 1000 पैसे, 500 पैसे (2)
Denomination	: 1000p, 500p (2)
मुद्रित मिनियेचर शीट	: 211000
Miniature sheets Printed	: 211000
मुद्रितडाक–टिकटें	: 302800 (3)
Stamps Printed	: 302800 (3)
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00